Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 02-03-2006
Participants : Gangwar Shri Santosh Kumar

>

Title : Regarding the need to grant 'Autonomous Body' status to the Stationery Department, Kolkata and release funds for its revival.

श्री संतोा गंगवार (बरेली) : महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शहरी विकास मंत्री का ध्यान कोलकाता स्थित भारत सरकार के स्टेशनरी विभाग को बंद किए जाने के कारण वहां के कर्मचारियों के भविय को दृटिगत रखते हुए आकर्ति कराना चाहता हूं।

महोदय, इस विभाग को स्व0 श्री राजीव गांधी सरकार द्वारा 1987 में बंद किए जाने का निर्णय लिया गया था, उसके उपरांत सरकार द्वारा इस आदेश को वापस ले लिया गया, परन्तु इस आदेश का पालन नहीं हुआ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि इस संबंध में डी0पी0 एंड ए0आर0 भारत सरकार द्वारा स्टडी करायी गयी तथा इस विभाग द्वारा 1997 में इस जी.आइ.एस.ओ. का बजट बढ़ाने तथा इसको पूर्ण रूप से चालू करने के संबंध में रिपोर्ट दी। इसके पश्चात एक्सपेंडीचर रिफोर्म कमीशन इ.आर.सी. को शहरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा जो जानकारी उपलब्ध करायी गयी उसके आधार पर कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में इसे बंद करने का सुझाव दिया गया।

महोदय, मैं माननीय शहरी विकास मंत्री जी का ध्यान पूर्ववर्ती शहरी विकास मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद के पत्र संख्या 0-17034/3/2004- आर/यूडी एंड पी ए दिनांक 16.9.2004 की ओर आकर्ति कराना चाहता हूं जिसमें कहा गया है कि इ.आर.सी के सुझाव पर सचिवों की कमेटी विचार कर रही है तथा बजट बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

मैं आपके माध्यम से मानीय मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि इस संबंध में तुरंत प्रभाव कार्यवाही करते हुए इस विभाग के लिए समुचित बजट की व्यवस्था करने तथा इसे स्वतंत्र संस्थान का दर्जा देने का कट करें,जिससे यह विभाग तथा यहां कार्यरत कर्मचरियों का भविय सुरक्षित रहे।